DELHI
THE HINDU • THURSDAY, MARCH 24, 2011

'High time organisations did an HR audit'

Special Correspondent

JAIPUR: Human resource experts here on Wednesday called for participative decision-making at all levels in both public and private organisations as well as creation of "enabling capacity" as an important constituent of human resource development with an identical emphasis on extension motivation, individual autonomy and decentralisation through delegation of responsibilities.

The occasion was the First Udai Pareek Memorial Lecture, delivered by noted expert T. V. Rao and attended by Union Road Transport and Highways Minister C. P. Joshi and a battery of academicians, management practitioners and intellectuals.

Dr. Pareek, former Professor at the Indian Institute of Management-Ahmedabad, was remembered as "the doyen of the Human Resource Development movement" in the country.

Delivering the lecture, "Beyond management: Some conceptual contributions of Udai Pareek to the modern world," Prof. Rao elaborated the concept of participative decision-making and said the individuals in an institution should be involved by way of sharing of their knowledge and information in crucial matters.

"Design of Human Resource Development or any of its subsystem must give adequate significance to the ideas and resources of people," he said.

Emphasising the need for balancing various factors, Prof. Rao listed the notions such as differentiation and integration, specialisation and diffusion of function, linkages within and with other functions, quantification and qualitative decisions and internal and external help.

He said the introduction of Human Resource system should be properly phased and built one over the other.

"It is high time organisations of all forms conducted a Human Resource audit or social audit of themselves as well as their programmes to renew themselves. This extends to the political parties, particularly their youth wings, and various government agencies and non-governmental development agencies and agents," said Prof. Rao summing up his observations.

Referring to the contributions of Dr. Pareek in the fields of Human Resource Development and management, Prof. Rao said some of the innovative concepts supported by the eminent expert were extension motivation, role efficacy, institution building, super ordinate goals and societal change. Of all these, extension motivation and role efficacy are his original contributions.

REMEMBRANCE: *Union Road Transport and Highways Minister C. P. Joshi (left) with noted human resource expert T. V. Rao at the first Udai Pareek Memorial Lecture in Jaipur on Wednesday.* – PHOTO: ROHIT JAIN PARAS

The extension motivation, he pointed out, deals with the ability to sacrifice one's own comforts and desires for the sake of others and working for larger goals that benefit larger groups or society.

"We must create an extension culture in India and create policies that are driven by extension motivation and future," said the expert, adding that government policies should also truly reflect concern for the welfare of the society and long-term thinking.

Several other theories propounded by Dr. Pareek were touched in the lecture with the observation that institutions should be agents of change in the society and the community. The framework for decision-making, according to Prof. Rao, should strictly involve making of institutions, while collaborations, extensions and creativity are the partners of motivation.

Prof. Rao is presently Chairman of the Academic Council at the Academy of Human Resources Development, Ahmedabad. He was professor at IIM-Ahmedabad for over 20 years, beginning 1973. In his address, the Union Road Transport and Highways Minister called upon professionals and entrepreneurs to develop a corporate culture, wherein there are ample opportunities to develop the human resource for the betterment of the employee, organisation and the country.

Dr. Joshi said while the need for achievement must be inculcated in every citizen, the extension services should be popularised at the panchayat level to motivate the villagers and encourage them to reduce their dependence on the government. He pointed out that 25,000 Swarna Jayanti Pathshalas were established in Rajasthan during 1998 to 2003 by applying the model evolved by Dr. Pareek. "One must draw learnings from the wisdom of Human Resources guru Dr. Pareek and nurture the values and ethics which would strengthen the foundation of their personal and professional lives. It will help them gear up efficiently for the new and the most challenging phase of their lives," he said.

Others who addressed the gathering included Udai Pareek HRD Research Foundation president Basant Khaitan, Indian Institute of Health Management Research managing trustee Ashok Agrawal, and National HRD Network president N.S. Rajan and Jaipur chapter president Ashok Bapna.

जयपुर, गुरुवार, 24 मार्च 2011

दैनिक नवज्योति जयपुर

कार्यक्रम में उपस्थित केन्द्रीय मंत्री सी.पी.जोशी एवं अन्य। प्रमोद

'पंचायतीराज' सत्ता का विकेन्द्रीकरण: जोशी

उदय पारीक व्याख्यानमाला

नवज्योति ब्यूरो

जयपुर, 23 मार्च। केन्द्रीय मंत्री डॉ.सी.पी.जोशी ने कहा है कि पंचायतीराज के मजबूत होने से सत्ता का वास्तविक अर्थों में विकेन्द्रीकरण हुआ है। महात्मा गांधी के पंचायतीराज व विकेन्द्रीकरण शासन से ही देश में गरीब का भला हो सकेगा।

जोशी बुधवार को नेशनल एचआरडी नेट वर्क, जयपुर चेप्टर की ओर से प्रो.उदय पारीक स्मृति व्याख्यान को नारायण सिंह सर्किल स्थित इन्द्रलोक ऑडिटोरिम में सम्बोधित कर रहे थे। जोशी ने कहा कि देश के नागरिकों ने सफलता के सिद्धांत को बढ़ावा देकर विकास की धारा को गति दी है। उन्होंने प्रो. उदय पारीक के मैनेजमेंट पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। आरम्भ में जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अशोक बापना ने बताया कि प्रो. पारीक भारत में मानवीय संसाधन विकास के प्रणेता माने जाते हैं। उनके विचार भविष्य की पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

इस मौके पर उदय पारीक एचआरडी रिसर्च फाउण्डेशन के अध्यक्ष बसन्त खेतान, आईआईएचएमआर के ट्रस्टी डॉ.अशोक अग्रवाल, एनएचआरडी नेटवर्क के राष्ट्रीय अध्यक्ष एनएच राजन, संजीव वशिष्ठ, डॉ.सुरभि पुरोहित सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

दैनिक भास्कर
जयपुर . गुरुवार . 24 मार्च 2011

आगे बढ़ने का मौका मिलेगा आजादी से

सिटी गेस्ट

प्रोग्राम के सिलसिले में आए नेशनल एचआरडी नेटवर्क के फाउंडर टीवी रॉय से बातचीत

सिटी रिपोर्टर. जयपुर

ह्यूमन रिसोर्स डिपार्टमेंट कंपनी में कर्मचारी की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया एक विभाग जिसमें बहुत कुछ सुधार हुए हैं और बहुत से सुधार होने बाकी हैं। आज एक ऑफिस में चार से पांच जेनरेशन एक साथ काम करती हैं। बीते कई सालों में लोगों में बहुत बदलाव हुए हैं, लेकिन बहुत से सुधार होने बाकी हैं, उसमें प्रमुख है सोच का सुधार। आज हम अपनी कंपनी से चाहते हैं कि वह हमें आजादी दे, हमें और आगे बढ़ने का मौका दे, लेकिन अफसोस की बात है कि जब कंपनी आपके हुनर को पहचान कर उसे तराशती है, ट्रेनिंग पर पैसा भी खर्च करती है और जैसे ही हम प्रशिक्षित हो जाते हैं या कुछ नया सीख जाते हैं तो मौका मिलते ही उस कंपनी को छोड़कर दूसरी कंपनी में चले जाते हैं। यानी लाइफ टाइम कमिटमेंट तो अब खत्म ही हो गया है और इसका भविष्य कितना भयानक है, यह पता नहीं।

अगर कर्मचारियों की कंपनी से लगाव की बात की जाए तो इसमें जापान सबसे आगे है। उन्हें विश्वास होता है कि कंपनी उनके हित में है और वे अपने काम के जरिए कंपनी से अपने लगाव को हमेशा प्रदर्शित करते हैं। फर्क है तो सिर्फ सोच का। जापानी देना जानते हैं। राष्ट्रवाद उनके अंदर बहुत है और हम भारतीय ,चाहे आरक्षण की बात हो या कुछ और ,हमारे अंदर लेने की प्रवृत्ति है और इसी प्रवृत्ति ने आज एक असमंजस का माहौल खड़ा कर दिया है। न हम अपनी कंपनी से अटैच हैं और न ही डिटैच।

जरूरत है बदलाव की, जितनी ज्यादा पारदर्शिता होगी देश का विकास उतना ही अधिक होगा। कंपनी को भी बताना होगा कि कर्मचारी कोई मशीन नहीं हैं उसके लिए, और कंपनी अपने साथ-साथ कर्मचारियों का भी विकास चाहती है। कर्मचारियों को भी काम के साथ-साथ कंपनी में विश्वास भी करना होगा।

सत्ता के विकेन्द्रीकरण से समस्याओं का निराकरण संभव-डॉ. जोशी

जयपुर, 23 मार्च (कासं)। केन्द्रीय परिवहन एवं यातायात मंत्री डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि सत्ता का विकेन्द्रीकरण करके हम देश में व्याप्त विभिन्न समस्याओं का निराकरण कर सकते हैं। पंचायती राज में इस व्यवस्था से हम अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं। डॉ. जोशी बुधवार को यहां इन्द्रलोक ऑडिटोरियम में आयोजित उदय पारीक स्मृति व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। वे स्वयं प्रो. पारीक के विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। पारीक ने जो विचार, आदर्श एवं कल्पनाओं को संजोया था, वे आज भी प्रासंगिक हैं। उनमें

उदय पारीक स्मृति व्याख्यान

दार्शनिकता, मनोवैज्ञानिकता आदि का पुट था और वे महात्मा गांधी के मूर्त रूप थे। उन्होंने समाज के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाई। समारोह को मुख्य वक्ता एनएचआरडी के अध्यक्ष प्रो. टी.वी. राव ने कहा कि प्रो. पारीक ने अपने विषयों में विस्तृत अभिप्रेरणा, भूमिका, प्रभावोत्पादकता, संस्थागत निर्माण तथा निर्भर अभिप्रेरणा को शामिल किया। इससे पहले समारोह में दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि व अन्य ने प्रो. पारीक को पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह में प्रो. उदय पारीक पर एक पुस्तिका का विमोचन डॉ. जोशी व अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। समारोह को बसन्त खेतान, अध्यक्ष उदय पारीक एचआरडी रिसर्च फाउण्डेशन डॉ. अशोक अग्रवाल, एन.एस. राजन, राष्ट्रीय अध्यक्ष एनएचआरडी, डॉ. अशोक बाफना अध्यक्ष, एनएचआरडी आदि ने प्रो. उदय पारीक के योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। समारोह को एनएचआरडी नेटवर्क तथा आईआईएलएम अकादमी हायर लर्निंग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रो. पारीक के परिजनों के साथ ही अनेक गणमान्य नागरिक, बुद्धिजीवी, विद्यार्थी व अन्य लोग उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर
जयपुर · गुरुवार, 24 मार्च 2011

पारीक का दर्शन समसामयिक

प्रो. उदय पारीक की स्मृति में आयोजित व्याख्यान में नेशनल एचआरडी नेटवर्क के फाउंडर टीवी रॉय ने उनकी फिलॉस्फी से लोगों को अवगत कराया।

सिटी रिपोर्टर. मैं नहीं मानता कि आज उदय पारीक हमारे बीच नहीं है, जब भी उनकी किताबों को पढ़ता हूं तो लगता है जैसे वे आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। उनको और उनकी फिलॉस्फी को समझना आज के सिनेरियो की एक बड़ी जरूरत है। अपनी बात की शुरुआत टीवी रॉय ने कुछ इसी अंदाज में की। यह स्मृति व्याख्यान बुधवार को इंद्रलोक ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर कैबिनेट मिनिस्टर सीपी जोशी, नेशनल एचआरडी (एनएचआरडी) के अध्यक्ष एन एस राजन भी उपस्थित थे। एनएचआरडी के जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अशोक बापना ने बताया, चूंकि इस व्याख्यान को आयोजित करने का उद्देश्य प्रो. पारीक के विचारों से आज की युवा पीढ़ी को अवगत कराना है। इसके जरिए ही वे जान पाएंगे कि प्रो. उदय पारीक ने मानवीय संसाधन विकास में कितना योगदान दिया है।

राजस्थान पत्रिका
जयपुर . गुरुवार . 24 मार्च . 2011

'सफलता के सिद्धांत को मिले बढ़ावा'

जयपुर . नेशनल एचआरडी नेटवर्क जयपुर चेप्टर की ओर से बुधवार को इंद्रलोक सभागार में बुधवार को प्रो. उदय पारीक स्मृति व्याख्यान का आयोजन हुआ। अध्यक्षता केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री प्रो. सी.पी. जोशी ने की। 'बीयॉंड मैनेजमेंट : सम कॉन्सेप्चुअल कॉन्ट्रीब्यूशन ऑफ प्रोफेसर उदय पारीक टू मॉर्डन वर्ल्ड' विषय पर आयोजित व्याख्यान में आईआईएम अहमदाबाद के प्रो. टी.वी. राव मुख्य वक्ता थे। उन्होंने प्रो. पारीक के प्रिय विषयों, संस्थागत निर्माण तथा निर्भर अभिप्रेरणा पर चर्चा की। प्रो. जोशी ने कहा कि नागरिकों में सफलता के सिद्धांत को बढ़ावा देकर विकास की धारा में गति लाई जा सकती है।

समाचार जगत
जयपुर, 24 मार्च, 2011

इन्द्रलोक ऑडिटोरियम में बुधवार को प्रथम उदय पारीक मेमोरियल व्याख्यानमाला को सम्बोधित करते केन्द्रीय परिवहन एवं यातायात मंत्री सीपी जोशी।

सत्ता के विकेन्द्रीकरण से समस्याओं का निराकरण संभव : जोशी

जयपुर, 23 मार्च (कासं)। केन्द्रीय परिवहन एवं यातायात मंत्री डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि सत्ता का विकेन्द्रीकरण करके हम देश में व्याप्त विभिन्न समस्याओं का निराकरण कर सकते हैं। पंचायती राज में इस व्यवस्था से हम अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं। इस विषय पर प्रोफेसर उदय पारीक के विचार गांधीवादी सिद्धांतों के काफी समीप नजर आते हैं।

डॉ. जोशी बुधवार को इन्द्रलोक आडोटोरियम में आयोजित उदय पारीक स्मृति व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे स्वयं प्रो. पारीक के विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। डॉ. जोशी ने कहा कि उदय पारीक ने जो विचार, आदर्श एवं कल्पनाओं को संजोया था, वे आज भी प्रासंगिक हैं।

समारोह को मुख्य वक्ता के रूप में एन एच आर डी के अध्यक्ष प्रो. टी.वी. राव ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रो. पारीक ने अपने विषयों में विस्तृत अभिप्रेरणा, भूमिका, प्रभावोत्पादकता, संस्थागत निर्माण तथा निर्भर अभिप्रेरणा को शामिल किया। इस अभिप्रेरणा में व्यक्तिगत ध्येय को संगठनात्मक ध्येय से एकीकृत करना है। जिसमें वह व्यक्तिगत हित व स्वार्थों से उपर उठकर संगठन व समाज हित में अपने संपूर्ण कार्य को करें।

इससे पहले समारोह में दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्य अतिथि व अन्य ने प्रो. पारीक को पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह में प्रो. उदय पारीक पर एक पुस्तिका का विमोचन डॉ. जोशी व अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। समारोह को बसन्त खेतान, अध्यक्ष उदय पारीक एच.आर.डी. रिसर्च फाउण्डेशन, डॉ. अशोक अग्रवाल, श्री एन.एस. राजन, राष्ट्रीय अध्यक्ष एन.एच. आर.डी., डॉ. अशोक बाफना अध्यक्ष, एन.एच. आर.डी. आदि ने प्रो. उदय पारीक के योगदान पर अपने विचार ➤शेष पृष्ठ दस पर

सत्ता के विकेन्द्रीकरण से....

प्रस्तुत किये। समारोह को एन.एच. आर.डी. नेटवर्क तथा आई.आई.एल.एम. अकादमी हायर लर्निंग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रो. पारीक के परिजनों के साथ ही अनेक गणमान्य नागरिक, बुद्धिजीवी, विद्यार्थी व अन्य लोग उपस्थित थे।